60

30 AUG 2019

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–GS17

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Girdhari lal Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19/E017

Center & Date: 30/08/2019 Delhi **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0856006

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss. (150 words) 10

हड़प्पा काल भौतिक सभ्यता की उत्कृष्टता के साथ-साथ कलात्मक रूप से भी मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का काल था।

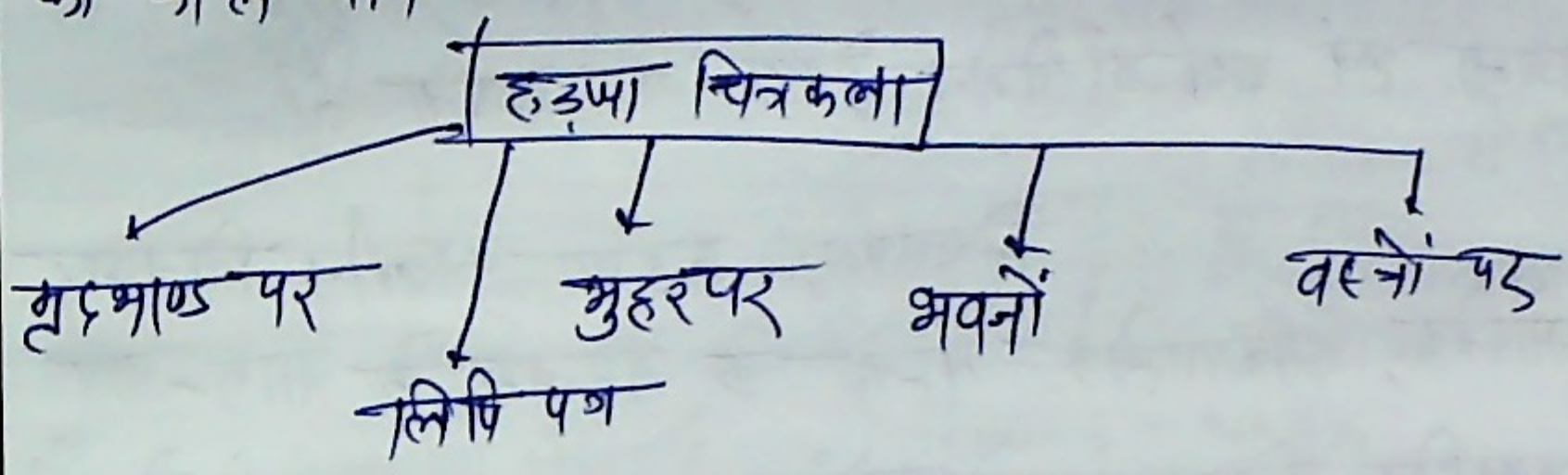

① हड़प्पा काल में स्त्री को उत्पादन की देवी के रूप में चित्रित किया गया जो कलात्मक संवेदनशीलता का उदाहरण है।

② पशुपति की मूर्ति के तहत मानव-पशु साहचर्य का चित्रण किया गया जो जीवंत कल्पना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

③ हड़प्पा के मृद्भाण्डों पर चालाक लोमड़ी का चित्रण किया गया जो जानवरों के प्रति संवेदनशीलता का चित्रण है।

④ हड़प्पा काल की प्रकृति आधारित संवेदनशीलता, मानव-पशु सह-अस्तित्व की जानकारी हड़प्पा लिपि पर मछली व अन्य पशुओं की आकृति के माध्यम से होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑤ हड़प्पा चित्रकार जैविक, पर्यावरण तथा किसी परम सत्ता की उपस्थिति तथा मानव की बढ़ती शक्ति (कई हाथों युक्त मानव) का चित्रण करते हैं।
⑥ हड़प्पा चित्रों से भविष्य की कल्पना तथा एरलौकिक जीवन की कल्पना की जानकारी भी मिलती है।
⑦ हड़प्पा चित्रों में लावण्य, रूपरेखा, सादृश्य योजना एवं वर्ण संयोजन देखा जा सकता है।

निष्कर्षतः हड़प्पा कालीन चित्रकार भौतिक, आध्यात्मिक तत्वों के समन्वय के साथ-साथ आधुनिक चित्रकला के गुणों से युक्त दिखाई देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्राचीन इतिहास में छठी शताब्दी सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक परिवर्तन के साथ-साथ नवीन धर्मों के उदय के कारण अस्थिरता का काल था।

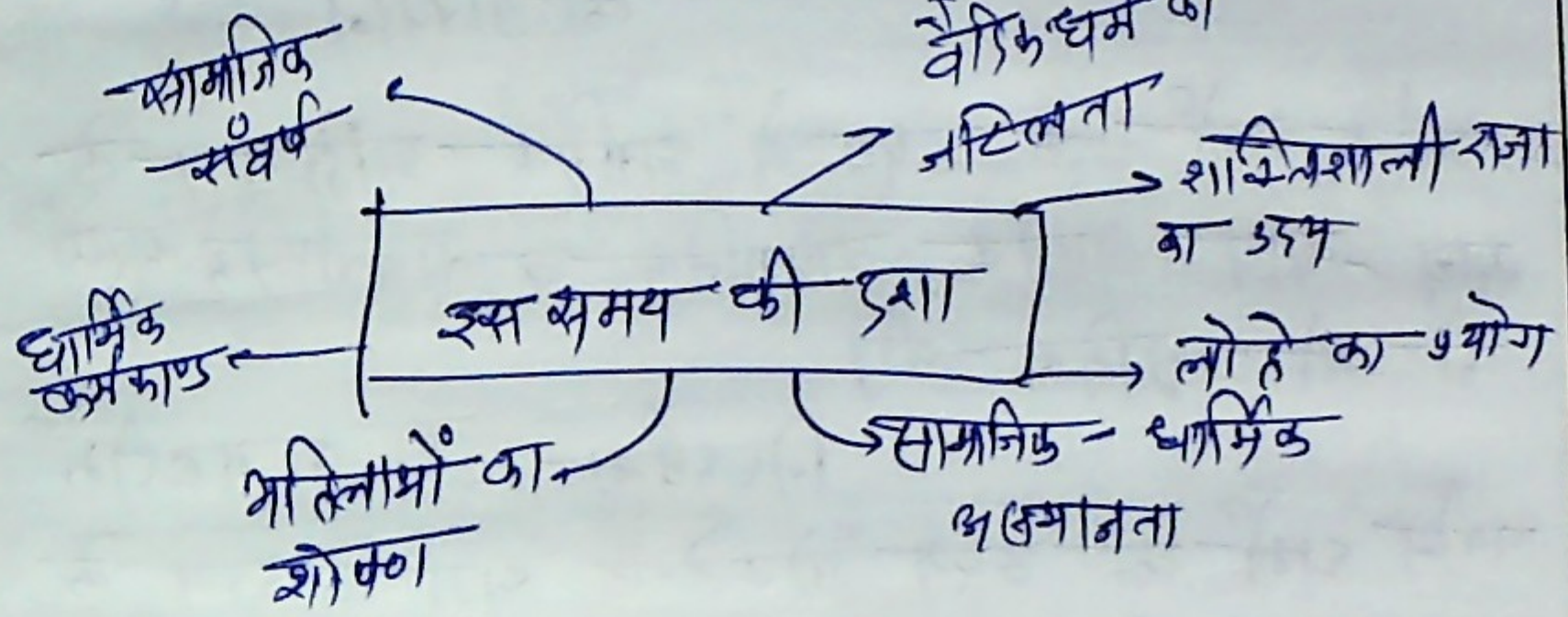

नवीन धर्मों का उदय

① उपनिषद में यज्ञों के कर्मकाण्डीय स्वरूप की आलोचना की गई तथा इस कारण नवीन धर्मों को बल मिला।

② 6ठी शताब्दी में धार्मिक उथल पुथल थी। इस कारण नवीन धर्मों ने विकल्प प्रदान किया।

③ इस समय का धार्मिक आंदोलन वैज्ञानिकता तथा कार्य-कारण परम्परा पर आधारित विचारों का समर्थक था।

④ जैन एवं बौद्ध का उदय इसलिए हुआ क्योंकि इनके द्वारा सामाजिक समानता, वर्ण व्यवस्था एवं जाति व्यवस्था पर चोट के माध्यम से एकेश्वरवाद पर बल दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) नवीन धर्मों के उदय ने समाज, धर्म व संस्कृति में तीव्र परिवर्तन कर दिया।

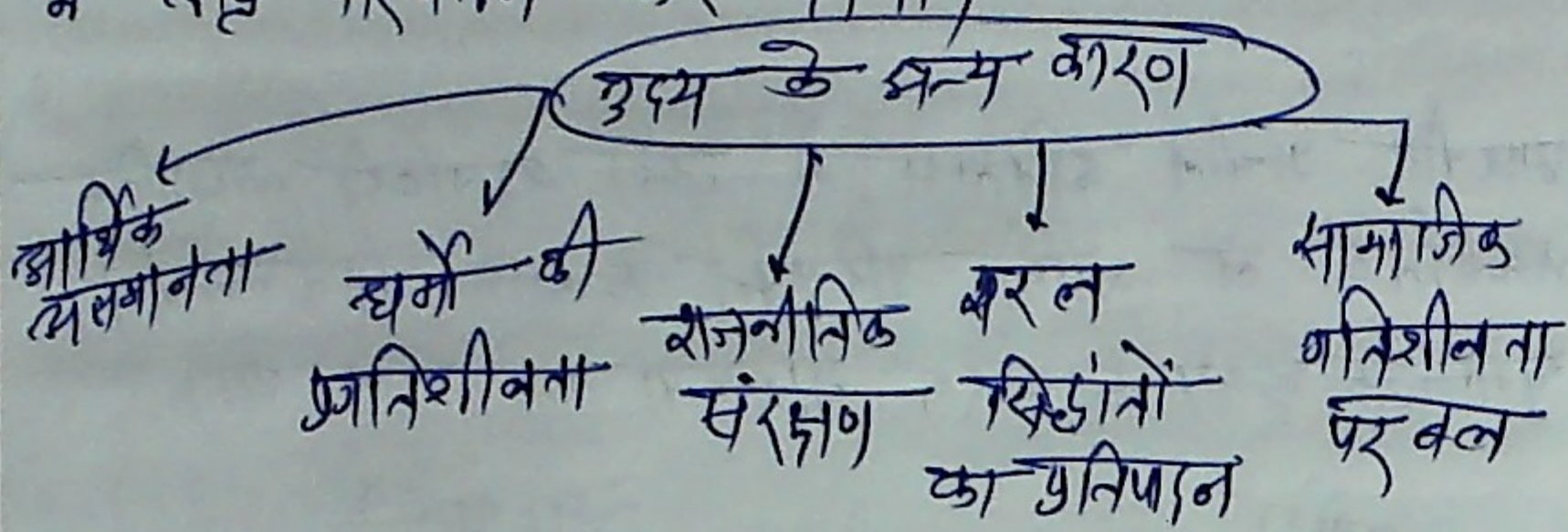

→ नवीन धर्मों के उदय में धार्मिक आंदोलन के साथ-साथ आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक कारकों की भी भूमिका थी।

निष्कर्षतः 6ठी शताब्दी में नवीन धर्मों का उदय प्रोटेस्टेन्ट धर्म के उदय के समान था जो बहुआयामी कारकों का परिणाम था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय राष्ट्रवाद विविधता के गुण से युक्त है जहाँ उदारवादी, उग्रवादी, गाँधीवादी, समाजवादी विचारों के साथ-साथ आतंकवादी समाजवादी (क्रांतिकारी) की भी भूमिका थी।

इन विचारकों के द्वारा सशस्त्र संघर्ष, व्यक्तिक साहस एवं सांस्कृतिक एकता के आधार पर विदेशियों से संघर्ष किया।

हल

① उदारवादी राजनीति की असफलता के साथ ही क्रांतिकारियों का उद्भव हुआ।

② 1897 में महाराष्ट्र में सरकारी अकाल नीति के प्रति चापेकर बंधुओं द्वारा प्रतिक्रिया दर्शायी।

③ क्रांतिकारी विचारधारा बंगाल में बंगाल विभाजन के पहले ही विद्यमान थी। यहाँ अनुशीलन समिति का निर्माण किया गया।

④ सरकारी धार्मिक व सामाजिक शोषण के कारण क्रांतिकारियों की प्रतिक्रिया के लिए स्थिति विद्यमान थी।

⑤ साथ रूस-जापान युद्ध एवं आयरलैण्ड के आंदोलन से भी इनको प्रेरणा मिली।

⑥ बंगाल विभाजन से पूर्व ही पक्ष प्रतिक्रियाओं के कारण इस विचारधारा का प्रसार हो रहा था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

④ बंगाल विभाजन के बाद यह विचारधारा से जुड़ गया तथा इसका स्वरूप व्यापक हो गया।

⑤ विदेशों में भी अब क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का प्रसार हुआ क्योंकि उनके द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के लिए प्रयास किया गया।

⑥ आगे अरबिंदो, सुभाष बोस, मास्टर सूर्यसेन व विभिन्न महिलाओं की भूमिका के कारण क्रांतिकारी राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिला।

निष्कर्षतः क्रांतिकारी राष्ट्रवाद क्रमिक विकास के स्वरूप से युक्त था जो बंगाल विभाजन के पश्चात और अधिक व्यापक हो गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के द्वारा राष्ट्रीय हितों, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए डीप ओशन मिशन की शुरुआत की है।

उद्देश्य ① समुद्री तल में स्थित पोलीमेटेलिक नोड्यूल्स की खोज करना।

② शैल गैस व तेल के स्त्रोतों की पहचान करना।

③ समुद्री धरातल पर उच्चावच का अध्ययन।

④ ज्वालामुखी, भूकम्प तथा सुनामी जैसे घटनाओं का अध्ययन कर आपदा प्रबंधन में सहायता करना।

⑤ समुद्र पर जलवायु परिवर्तन प्रभाव का अध्ययन करना।

महत्व ① यदि तेल व गैस का अन्वेषण किया जाता है तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहायता मिलेगी।

② पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देंगे तथा रोजगार का भी सृजन होगा।

③ जलवायु परिवर्तन का अध्ययन कर भविष्य में निवारक उपायों को लागू किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(5) इसका भू राजनीतिक महत्व है क्योंकि यह हिंद महासागर में भारतीय हितों को संरक्षित करता है।

(5) आपदा प्रबंधन की वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से भविष्य में जान व माल की हानि को कम किया जा सकता है।

(6) डीप ओशन मिशन भारत में वैज्ञानिकता का भी सृजन करेगा जो संविधान संगत लक्ष्य है।

(7) डीप ओशन मिशन के माध्यम से पृथ्वी की उत्पत्ति व वर्तमान संरचनात्मक परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सकेगा।

निष्कर्षतः डीप ओशन मिशन वर्तमान भारत की ऊर्जा व आर्थिक समस्याओं के समाधान के साथ-साथ सम्भावनाओं के दोहन में भी सहायक होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भू-चुम्बकत्व की अवधारणा के तहत माना जाता है कि पृथ्वी भी एक विशाल चुम्बक है तथा इसके चुम्बकीय ध्रुव भौगोलिक ध्रुवों की विपरित दिशा में विद्यमान होते हैं।

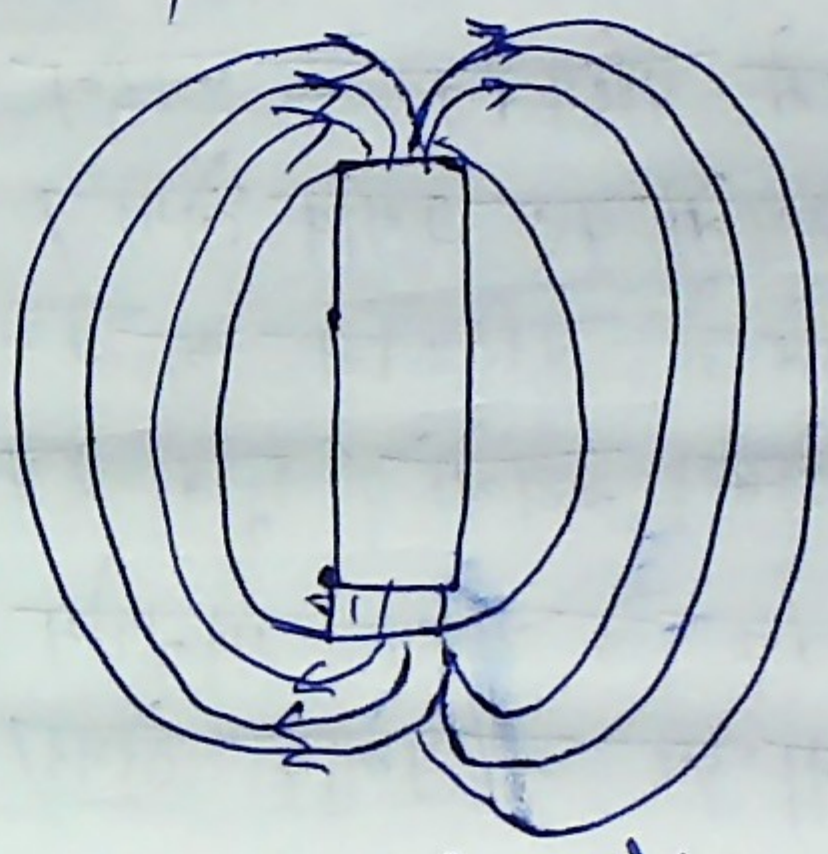

भू चुम्बकत्व

पृथ्वी के बाह्य कोर में धातुऐ (Ni, Fe) गर्म गलित अवस्था में होती है। जब पृथ्वी घूर्णन करती है तो बाह्य कोर व आंतरिक कोर (ठोस अवस्था) में चर्षण के कारण चुम्बकत्व की उत्पत्ति होती है। इसी आधार पर पृथ्वी चुम्बक की तरह कार्य करती है। पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव की तरफ साउथ पोल व दक्षिणी ध्रुव के समीप उत्तर पोल होता है। वर्तमान में पृथ्वी के उत्तरी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ध्रुव में परिवर्तन हो रहा है। जो प्राकृतिक व मानवीय कारणों का समन्वित परिणाम है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रभाव ① वर्तमान GPS व्यवस्था में त्रुटियों का समावेश।

② पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के परिवर्तन के कारण चुम्बकीय बल की तीव्रता के परिवर्तन से अन्य पिण्डों की गतिविधियाँ भी प्रभावित होंगी।

③ उत्तरी ध्रुव में परिवर्तन के कारण वेधशालाओं व अन्य परीक्षण स्थलों पर प्रभाव होगा।

④ ध्रुवीय स्थिति में परिवर्तन का प्रभाव अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण स्थलों (चुम्बा) पर भी होगा।

⑤ इस परिवर्तन के कारण मानवीय गतिविधियों व आर्थिक संरचना पर भी प्रभाव होगा।

निष्कर्षतः पृथ्वी जैसी विशाल चुम्बक की ध्रुवीय स्थिति में परिवर्तन का प्रभाव वृहत स्तरीय होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? (150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षोभसीमा के समीप पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर बहने वाली पवनों को जेट प्रवाह कहा जाता है जिसकी उत्पत्ति दाब प्रवणता बल के कारण होती है।

प्रकार

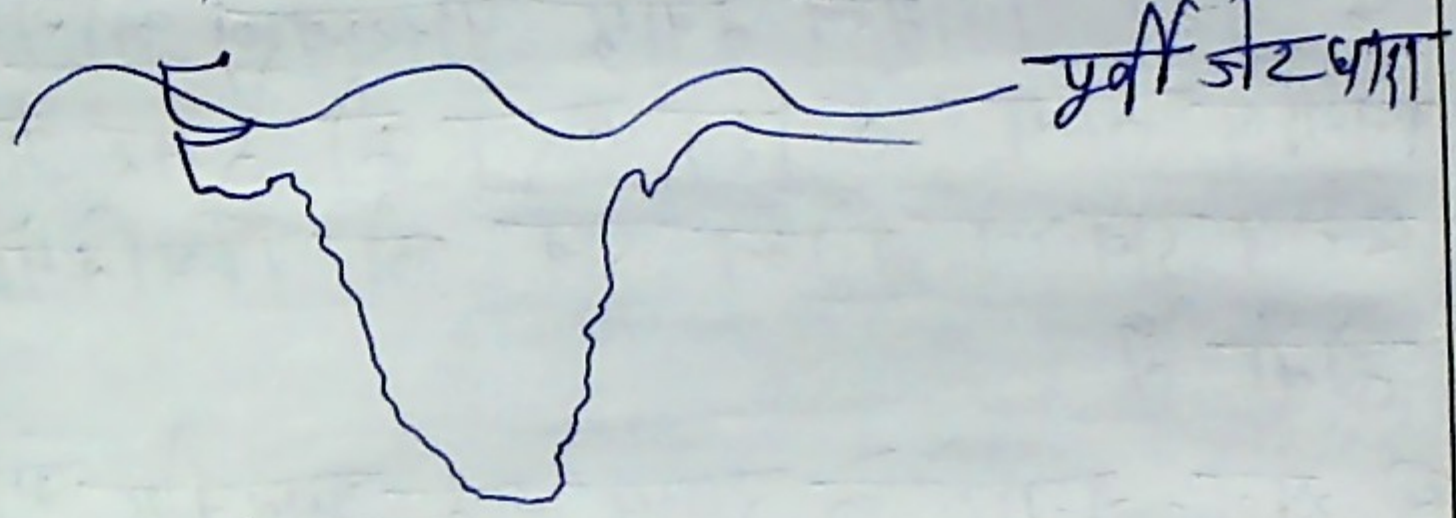

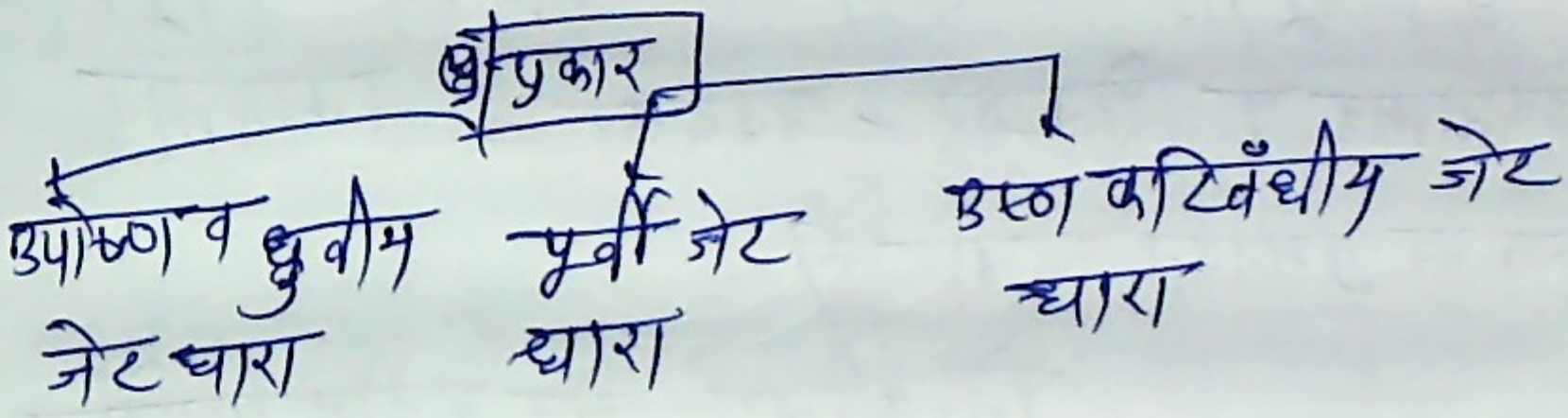

- उपोष्ण व ध्रुवीय जेट धारा
- पूर्वी जेट धारा
- उष्ण कटिबंधीय जेट धारा

भारतीय जलवायु पर प्रभाव

① उष्ण कटिबंधीय जेट धारा के उत्तरायण व हिमालय के विच्छोभन के कारण भारत पर मानसून का आगमन होता है।

② जब इस जेट धारा का दक्षिणायन होता है तो उच्च दाब के विकास के कारण भारत से मानसून लौट जाता है।

③ तिब्बत के क्षेत्र में विकसित होने वाली स्थानीय पूर्वी जेट धारा भारतीय मानसून को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

d drishti | दृष्टि The Vision

तीव्रता के लिए उत्तरदायी है।

(4) जेट धारा के कारण दाब व ताप की विषमता अनुकूल स्थितियों का निर्माण होता है तथा भारत पर वर्षा होती है।

(5) जेट धारा के कारण धरातल व क्षोभमण्डल के मध्य विभिन्न ववायु परिसंचरण कोशिकाओं का निर्माण होता है। इस कारण भी उत्तर भारत में उच्च दाब व निम्न दाब की स्थितियाँ उत्पन्न होती है।

(6) जून-जुलाई के समय यह भारतीय मानसून को सकारात्मक व सितम्बर-अक्टूबर में नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

निष्कर्षतः जेट स्ट्रीम पवनों का प्रवाह है जो भारतीय जलवायु को प्रभावित करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

पर्वतीय विकास पर संगठन के अनुसार हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने के कारण भारतीय उपमहाद्वीप प्रभावित होगा।

मानवीय एवं प्राकृतिक कारणों से हिमनद पिघल रहे हैं तथा जलवायु परिवर्तन व अन्य कारणों से नवीन हिमखंडों का निर्माण भी नहीं हो रहा है तथा परिणामी रूप में हिमनद छोटे होते जा रहे हैं। इसे ही हिमनदों का पीछे हटना माना जाता है।

अब हिमनद क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर रूप में दोनों हिमालय की तरफ पीछे हट रहे हैं। यह लगातार बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप का प्रभाव है।

भारतीय उपमहाद्वीप पर प्रभाव

① हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने के कारण उत्तर भारत का अवसादीकरण तथा बाढ़ की सम्भावना बढ़ जाती है।

② हिमनदों के पीछे हटने से समुद्री जल स्तर में वृद्धि होगी जो समुद्री पारितंत्र व भारतीय उपमहाद्वीप को प्रतिकूल रूप से प्रभावित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

करेगा।

③ हिमनदों के पीछे हटने से हिमाचल व उत्तराखण्ड में कृषि पर प्रभाव होगा जो आपदाओं की सम्भावना भी बढ़ जाती है।

④ हिमनदों के पीछे हटने से हिमालयी पारितंत्र व वन्य जीवों पर भी प्रतिकूल प्रभाव होगा।

⑤ सकारात्मक प्रभाव यह होगा की भूमि क्षेत्र का विस्तार, स्वच्छ जल की अधिक आपूर्ति व जल समस्या का समाधान होगा लेकिन दीर्घकाल में जल संकट की तीव्रता बढ़ जायेगी।

⑥ अधिक जल के कारण पाकिस्तान व चीन, नेपाल में विवाद भी बढ़ सकते हैं।

निष्कर्षतः हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने पर नियंत्रण के लिए समन्वित प्रयास व पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा के आधार कार्य किया जाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं? (150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महिला सशक्तीकरण एवं समान नागरिक संहिता की तरफ कार्य करते हुए तीन तलाक विधेयक पारित किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के आधार पर्यंत अधिनियम पारित किया गया -

① इसमें लिखित व मौखिक रूप से तीन तलाक को अवैध माना गया है।

② सुलह के प्रयास के साथ-साथ इसको आपराधिक कृत्य माना गया जहाँ 3 साल की सजा का प्रावधान है।

③ क्षतिपूर्ति का अधिकार भी दिया गया।

धर्मनिरपेक्षता का परीक्षण

① भारतीय धर्मनिरपेक्षता अन्तर धार्मिक समानता व राज्य के हस्तक्षेप पर आधारित है।

② Art. 25 में धर्म की स्वतंत्रता के साथ-साथ धर्मों के मध्य सहयोग की भी बात है।

③ Art. 44 समान नागरिक संहिता की बात करता है तथा तीन तलाक विधेयक इसी दिशा का प्रयास है।

④ इस आधार पर (सुप्रीम कोर्ट का निर्णय) यहाँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सकारात्मक ~~विशेष~~ धर्मनिरपेक्षता का पालन किया गया है।

लैंगिक न्याय

① महिला को क्षतिपूर्ति का अधिकार।

② तलाक को लिंग निरपेक्ष बनाकर लैंगिक न्याय की पूर्ति की गई है।

③ इसके तहत अनु. 14 (समानता) के पालन के साथ-साथ महिलाओं को Art. 25 के तहत मिली धार्मिक स्वतंत्रता को भी अभिव्यक्त किया गया है।

④ इस विधेयक से महिला अपराधों की रिपोर्टिंग बढ़ेगी तथा भविष्य में यह निवारक व समावेशी नीति निर्माण के रूप में कार्य करेगा।

निष्कर्षतः तीन तलाक विधेयक लैंगिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता व समान नागरिक संहिता की दिशा में एक प्रयास है लेकिन इससे सम्बन्धित चिंताओं (अल्पसंख्यकों) का समाधान भी आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this mar[gin])

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

प्राचीन भारतीय समाज वर्ग व लैंगिक आधार पर भेदभावयुक्त होने के कारण महिला सशक्तिकरण व सामाजिक न्याय की प्राप्ति में बाधा थी।

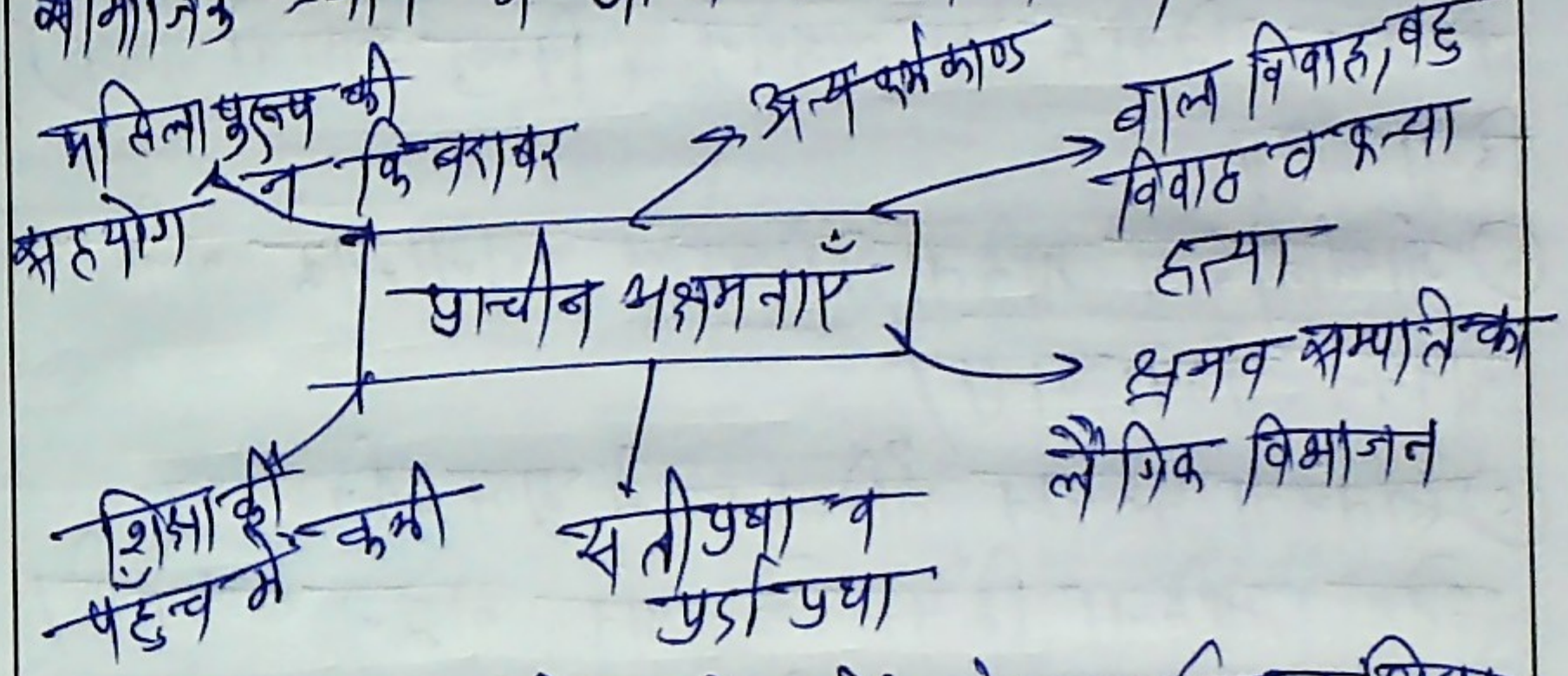

① प्राचीन भारत में महिलाओं को सम्पत्ति व शिक्षा का अधिकार सामान्यतः नहीं था। (मनुस्मृति)
② समाज में पुर्दाप्रथा, विवाह की विकृत दशा व सती प्रथा के कारण शोषण होता था।
③ धार्मिक आधार पर भी डायन प्रथा व अन्य कुरीतियों को बढ़ावा मिलता था तथा लैंगिक न्याय सम्भव नहीं था।

सुधार आंदोलन

① राजा राम के सहयोग से सतीप्रथा का त्याग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

किया गया।

(2) बाल विवाह, बहु विवाह पर नियंत्रण किया गया तो रानी डीबेन्ट (भारत स्त्री संघ) सरला देवी चौधरानी (भारत स्त्री महामण्डल) ने महिला शिक्षा पर बल दिया।

(3) समाज में महिलाओं को सम्मान दिया गया तथा विधवा विवाह का समर्थन (विष्णु शास्त्री पण्डित) किया गया।

(4) गांधीजी द्वारा महिला शिक्षा व रचनात्मक कार्यों का समर्थन किया गया।

(5) स्वतंत्रता पश्चात संविधान में मूल अधिकार व दहेज महिला हिंसा के प्रति कानून बनाये गये।

(6) सुधार आंदोलन व संविधान की सकारात्मकता का पूरा लाभ महिलाओं को नहीं मिला।

निष्कर्षतः प्राचीन भारतीय महिला शोषण आधारित अक्षमताओं के समाधान के लिए सुधार आंदोलन व संविधान द्वारा सकारात्मक कार्य किया गया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है? (150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्प्रदायिकता धर्म की गलत व्याख्या पर आधारित एक विचार है जहाँ एक-दूसरे धर्म को परस्पर हितों वाला माना जाता है।

तीन चरण

① धर्मनिरपेक्ष हित एक धर्म के लोगों के समान

② अलग-अलग धर्मों से अलग-अलग

③ परस्पर विरोधी हित

औपनिवेशिक शासकों द्वारा धर्म व राजनीति के अनुचित प्रयोग के कारण साम्प्रदायिकता को बढ़ावा मिला -

① धार्मिक नीतियाँ भी श्वेत वस्त्र के भार सिद्धांत पर आधारित थी तथा इस कारण धार्मिक संघर्ष को बढ़ावा मिला।

② 1909 के अधिनियम के कारण, मुस्लिम लीग की स्थापना के कारण साम्प्रदायिकता के बीजों का अंकुरण हुआ।

③ आगे बाये व राज करो की नीति ने साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(5) बंगाल विभाजन के द्वारा भी साम्प्रदायिकता को बढ़ावा मिला।
(6) इस समय साम्प्रदायिक दलों का निर्माण, लीग और प्रस्ताव के कारण साम्प्रदायिकता को बढ़ावा मिला।

अन्य कारण

① कांग्रेस द्वारा प्रारम्भ से साम्प्रदायिकता का समावेशी समाधान नहीं किया।
② स्वतंत्रता पश्चात धार्मिक नीतियों व प्रतिक्रिया वाद के कारण इसे बढ़ावा मिला।

निष्कर्षतः भारत में साम्प्रदायिकता मुख्यतः ब्रिटिश शोषण व नीतियों का कारण है जिसे स्वतंत्रता पश्चात भी कई कारणों ने जीवंत रखा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक काल में साम्राज्यवादी औद्योगिक हितों के लिए विभिन्न नीतियों का निर्माण किया गया जिनके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव सामने आये।

शोषणकारी नीतियाँ

- मुक्त व्यापार नीति
  - रेलवे
  - धन की निकासी
- भू राजस्व नीतियाँ
  - कृषि का वाणिज्यीकरण
- शिक्षा नीति व विऔद्योगीकरण

इन सब नीतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अधीन बन गई। औद्योगिक क्रांति से लाभ प्राप्त करने के लिए अंग्रेजों द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप किया गया।

परिणाम

सकारात्मक

① भारतीय अर्थव्यवस्था से प्राचीन उद्योगों का पतन हुआ तथा पूंजीवादी उद्योगों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

② रेलवे के कारण एकीकृत बाजार का निर्माण हुआ तो कृषि के वाणिज्यीकरण के कारण भारतीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था से जुड़ाव हुआ।
(3) सीमित औद्योगिक विकास भी सामने आया।

नकारात्मक

(1) भू राजस्व नीतियों के कारण कृषक ऋण जाल में फंस गये तथा साहूकारों / पूँजीपतियों का प्रभाव बढ़ा।

(2) कृषि के वाणिज्यकरण के कारण खाद्यान्न संकट उत्पन्न हुआ तथा किसानों का शोषण किया गया (नील आंदोलन)

(3) ब्रिटिश औद्योगिक नीतियों, शिक्षा नीति व राजनीतिक प्रसार के कारण भारतीय हस्तशिल्प उद्योगों का पतन हुआ।

(4) कृषि व हस्तशिल्प के पतन से ग्रामीण अकाल व नेहरणग्रस्तता सामने आयी तथा कृषि व उद्योग का सहयोगात्मक संबंध टूट गया।

(5) औद्योगिक पतन के कारण बेरोजगारी को बढ़ावा मिला तो दूसरी तरफ धन की निकासी जारी रहा (दादाभाई नौरोजी का विश्लेषण)

(6) रेलवे के कारण ब्रिटिश हितों को साधा गया तथा प्रतिकूल माल भाड़ा दरों के कारण भारतीय लघु उद्यम बर्बाद हो गये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⑦ दोषपूर्ण शुल्क नीति के कारण भारत से बाह्य बाजार भी छिन गया तथा भारत प्रायोजित व लूट हुआ राज्य बन गया।

⑧ इस सब के कारण साम्प्रदायिकता, निम्न जीवन स्तर व कृषि व मजदूरों के समक्ष संकट उत्पन्न हुआ।

निष्कर्षतः ब्रिटिश नीतियों की दोषपूर्ण संरचना के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए तथा ये लक्षण स्वतंत्रता पश्चात प्रगति में भी बाधक रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

साम्राज्यवाद भौगोलिक व आर्थिक, सांस्कृतिक नियंत्रण की एक पद्धति है जिसके माध्यम से मातृदेश द्वारा किसी उपनिवेश के संसाधनों का दोहन किया जाता है।

19वीं शताब्दी का साम्राज्यवाद

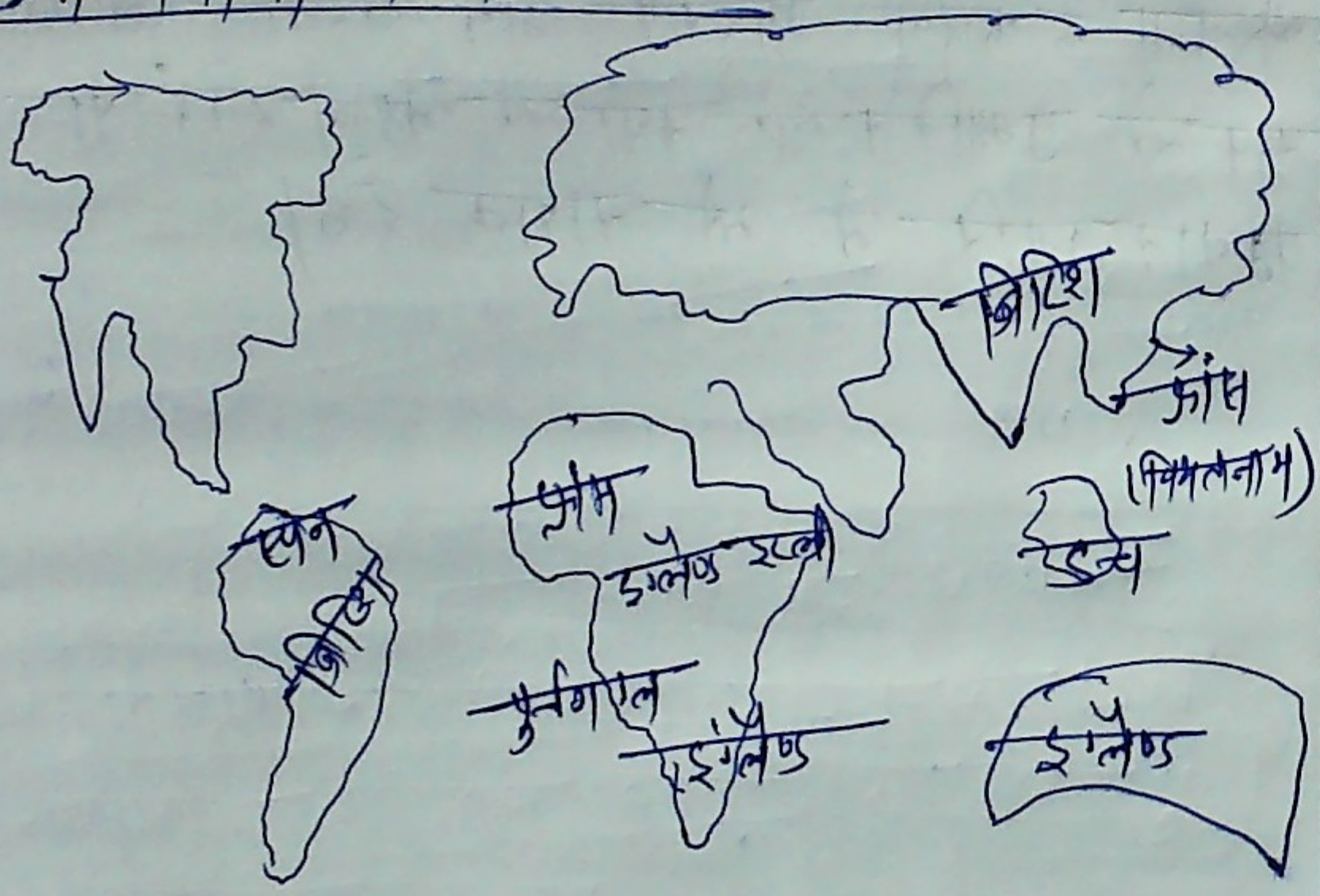

कारण

① नवीन राज्यों के एकीकरण (इटली व जर्मनी) के कारण साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला। विलियम पेमर के द्वारा कहा गया कि हमें भी सूर्य के नीचे जमीन चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

टम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② जर्मनी के एकीकरण के पश्चात कृत्रिम संधि प्रणाली ने यूरोप को परस्पर अविश्वास की भावना से भर दिया तथा इस कारण साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला।

③ औद्योगिक क्रांति के लिए कच्चे माल व तैयार माल के लिए बाजार के लिए साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला (नव साम्राज्यवाद)

④ शस्त्रीकरण के कारण भी साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला तथा यूरोप के उग्र राष्ट्रवाद द्वारा साम्राज्यवाद को पोषित किया गया।

⑤ धार्मिक परिस्थितियाँ भी साम्राज्यवाद के लिए उत्तरदायी मानी जा सकती है। ईसाई मिशनरियों के द्वारा साम्राज्यवाद के लिए आधार का निर्माण किया गया।

⑥ पूर्वी संकट, जापान के उदय ने भी एशियाई साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया।

जापान — एक साम्राज्यवादी

① 1868 में जापान में मेइजी शासन की पुनः स्थापना हुई तथा आर्थिक विकास पर बल दिया गया।

② आर्थिक विकास व राजनीतिक विस्तार के लिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जापान द्वारा साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया।

① जापान द्वारा रूस (1905) व चीन में हस्तक्षेप किया।

② आगे जापान 1937 में रोम-बर्लिन धुरी से जुड़ गया तथा इस कारण विश्व युद्ध भी हुआ।

③ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान द्वारा हिन्दचीन व इण्डोनेशिया पर अधिकार किया।

④ राष्ट्रवाद व आर्थिक कारणों से जापान के साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला।

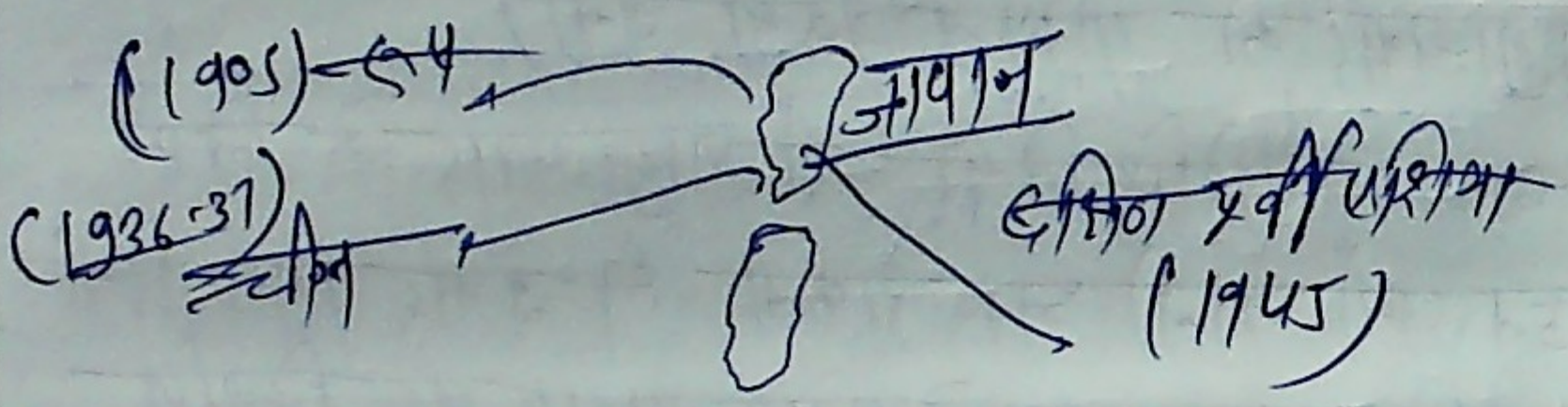

निष्कर्षतः साम्राज्यवाद विभिन्न बहुआयामी कारकों का परिणाम था जिसमें जापान भी शामिल हुआ तथा विश्व युद्धों को बढ़ावा मिला।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सर्वहारा की वानाशाही व मार्क्स के वैज्ञानिक समाजवाद से प्रेरित होकर रूस में सी 1917 में क्रांति हुई जिसने विश्व के स्वरूप का निर्धारण किया।

कारण

① फ्रांस में निरंकुश राजतंत्र मौजूद था तथा जार द्वारा ड्यूमा का बार-बार विघटन किया जा रहा था।

② सामंतवादी व्यवस्था के कारण समाज में सामाजिक व आर्थिक विषमता विद्यमान थी।

③ किसान व मजदूरों का शोषण चरम पर था तथा रूस में भी फ्रांस की क्रांति की पूर्व दशाओं की उपस्थिति थी।

④ बौद्धिक जागरूकता के द्वारा भी क्रांति को सम्भव बनाया गया। टॉल्सटॉय व मैक्सिम गोर्की की रचनाओं ने लोगों को शोषण से परिचित करवाया।

⑤ मार्क्स से प्रेरणा प्राप्त कर रूस में कई किसान व मजदूरों के हितों के पोषक राजनीतिक दलों का उदय हो रहा था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसमें रूसी प्रजातंत्रवादी दल प्रमुख था।

① 1905 के रूस जापान युद्ध में पराजय, खूनी रविवार तथा ② प्रथम विश्व युद्ध की आर्थिक कठिनाइयों के द्वारा विश्व युद्ध को आगे बढ़ाया गया। इसी आधार पर 1917 में रूस में साम्यवादी क्रांति सफल हुई।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर प्रभाव

- दलों का निर्माण
- क्रांतिकारियों पर प्रभाव
- जवाहरलाल व सुभाष पर प्रभाव
- नीति निर्माण के क्षेत्र में प्रभाव

① कांग्रेस समाजवादी दल (1934) मार्क्सवादी-लेनिनवादी दलों का निर्माण हुआ।

② क्रांतिकारी आंदोलन के द्वारा समाजवादी विचारधारा को ग्रहण किया गया तथा भगत सिंह द्वारा अपना लक्ष्य राजनीतिक व आर्थिक स्वतंत्रता बनाया।

③ जवाहरलाल व सुभाष बोस का समाजवाद भी रूसी क्रांति से प्रभावित था। आगे स्वतंत्रता पश्चात रूसी नियोजित विकास की रणनीति को जवाहरलाल नेहरू द्वारा पंचवर्षीय योजनाओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के रूप में लागू किया गया।

(4) कांग्रेस व अन्य दलों के विचारों में कृषक व मजदूरों के हित शामिल हो गये। 1931 के कराची अधिवेशन व 1937 की कांग्रेसी सरकारों के कार्यों में इसे देखा जा सकता है।

(5) नीति निर्माण का प्रमुख उद्देश्य अब समाजवाद की प्राप्ति हो गया।

(6) भारत में कम्युनिस्ट पार्टी के द्वारा रूसी क्रांति के विचारों को ग्रहण किया गया तथा इतिहास लेखन की मार्क्सवादी विचारधारा का प्रचलन हुआ।

निष्कर्षत: रूसी क्रांति के कई कारण थे तथा इस क्रांति ने स्वतंत्रता पूर्व व स्वतंत्रता पश्चात भारत के साथ-साथ विश्व को भी प्रभावित किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।

(Candidate must
write on this mar

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में कई पर्यावरणीय आंदोलन सामने आये जो आर्थिक व पर्यावरणीय कारकों के साथ-साथ पहचान से भी जुड़े हुए थे।

आंदोलन

① 1973 का चिपको आंदोलन प्रमुख है जिसके द्वारा वृक्षों के संरक्षण को प्रमुख उद्देश्य के रूप में माना।

② दक्षिण भारत में इसी तरह का अप्पिको आंदोलन सामने आया।

③ नर्मदा बचाओ आंदोलन ने घर पुनर्वास संरक्षण के लिए प्रयास किया।

④ 1980 के समय साइलेंट घेली आंदोलन सामने आया जो केरल के सदाबहार वनों के संरक्षण पर आधारित था।

⑤ इसी क्रम में भारत के कई हिस्सों में पर्यावरणीय आंदोलन पैदा हुए तथा इनके द्वारा सरकार की पर्यावरण संरक्षण नीति को दिशा प्रदान की गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

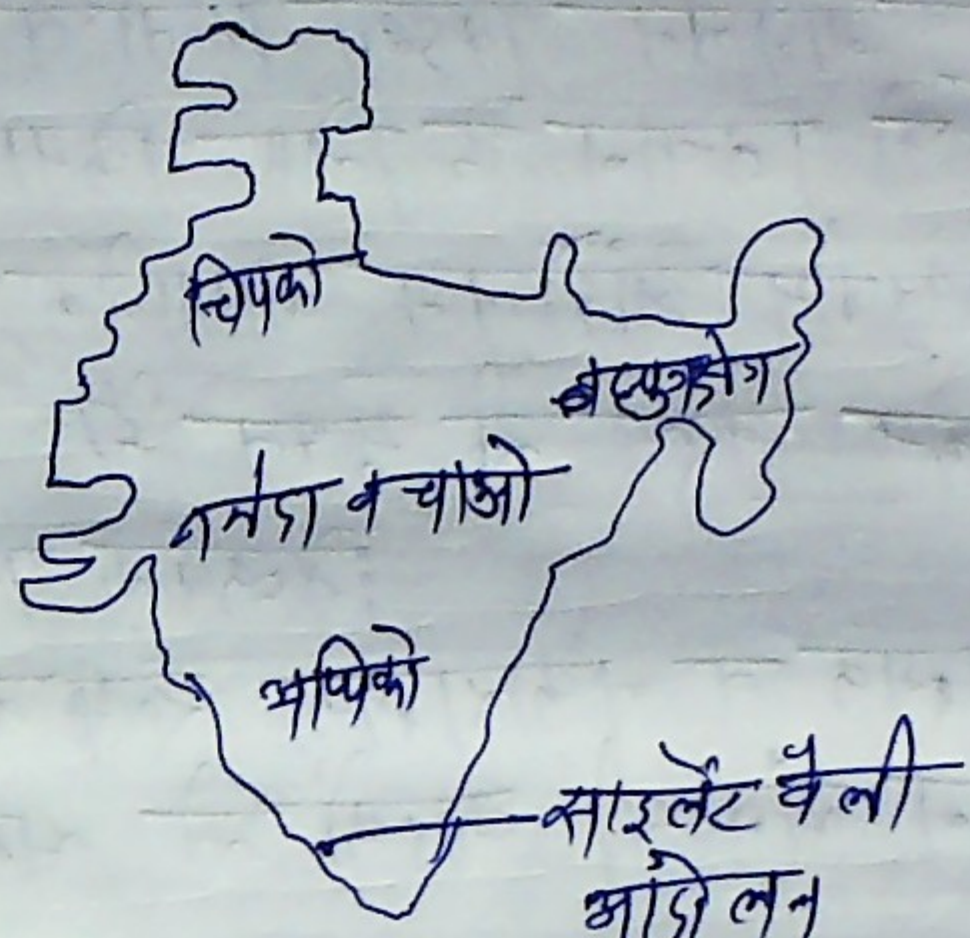

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रमुख मुद्दे

(1) इन आंदोलनों के द्वारा आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न की गई। ग्रीन पीस इसी प्रकार का भारत विरोधी प्रयास था।

(2) पर्यावरणीय आंदोलनों में महिलाओं की प्रमुख भागीदारी थी तथा यहाँ महिलाओं का वनों से जुड़ाव दिखाई देता है।

(3) पर्यावरणीय आंदोलन कभी-कभी विकास का अंधा विरोध करते हैं।

(4) पर्यावरणीय आंदोलन पहचान संबंधी कारणों से भी प्रेरित थे। साइलेंट वैली आंदोलन में लोगों की पहचान वनों से थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) कुछ आंदोलन विदेशी मितों व NGOs द्वारा स्वयं की पहचान के लिए किया।
(6) पर्यावरणीय आंदोलन सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय स्वरूप से युक्त है।

निष्कर्षतः पर्यावरणीय आंदोलन सकारात्मक व नकारात्मक रूप के आर्थिक व पहचान संबंधी कारकों से सम्बन्धित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया? (250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1971 के भारत-पाक युद्ध के पश्चात शिमला समझौता सामने आया जो भारत व पाकिस्तान के सम्बन्धों का प्रमुख निर्धारक है।

सिद्धांत

① इस सिद्धांत का मानना है कि भारत व पाक के मध्य विवाद द्विपक्षीय आधार पर सुलझा लिए जायेंगे तथा इसमें किसी बाहरी देश का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जायेगा।

② एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान किया जायेगा तथा दक्षिणी एशिया में शांति स्थापना का प्रयास किया जायेगा।

③ अनाक्रमण व शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर बल दिया गया।

④ युद्ध के बजाय शांति को विकल्प के रूप में स्वीकार किया जायेगा।

⑤ सीमा विवादों का हल पाने के लिए द्विपक्षीय वार्ता का प्रावधान किया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सफलता

① इस समझौते द्वारा कश्मीर पर यथास्थिति को बनाये रखने में योगदान दिया।

② संधि के माध्यम से भारत पाकिस्तान द्वारा सहयोग किया गया।

③ भारत व पाकिस्तान के मध्य अनाक्रमण संधि पर हस्ताक्षर किया गया।

असफलता

① कश्मीर संयुक्त राष्ट्र संघ में फुटबाल की तरह उछलता रहा।

② कुछ देशों द्वारा कश्मीर विवाद को बहुपक्षीय स्वरूप देने का प्रयास किया।

③ 1999 का कारगिल विवाद तथा सीमा पार आतंकवाद भी इसको समझौते को असफल बनाते हैं।

④ भारत व पाक के मध्य विभिन्न मंचों पर संघर्ष होता है तथा शांतिपूर्ण सह अस्तित्व एक सपना रह गया है।

⑤ पाकिस्तान व चीन की बढ़ती भागीदारी व भारत पर दबाव के कारण भी शिमला समझौता प्रभावकारी नहीं रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(c) पाकिस्तान द्वारा परमाणु हमले की धमकी तथा व्यापार में कमी शिमला समझौते की सफलता में बाधक है।

निष्कर्षतः भारत-पाक संबंधों के संचालन के लिए भारतीय नीति के पुनः निर्माण की आवश्यकता है जो राष्ट्रीय हितों व अखण्डता के सिद्धांत से संचालित हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

मृदा अपरदन से तात्पर्य मृदा का किसी स्थान से मानवीय च प्राकृतिक कारणों से प्रवाह तथा उसकी गुणवत्ता में ह्रास है।

मृदा अपरदन के कारण

① प्राकृतिक

① अत्यधिक वर्षा व समुद्री स्थिति के कारण मृदा अपरदन को बढ़ावा मिलता है।

② हिमालयी नदियों द्वारा भी ऊपरी क्षेत्रों में मृदा का अपरदन किया जाता है।

③ बादल फटने व चक्रवाती घटनाओं के कारण मृदा अपरदन को बढ़ावा मिलता है।

② मानवीय

① अनियंत्रित कृषि व सिंचाई की अवैज्ञानिक पद्धतियाँ।

② वनोन्मूलन तथा अनियंत्रित पशुचारण।

③ हिमालयी पारितंत्र में हस्तक्षेप के कारण मृदा क्षरण को बढ़ावा मिला है।

④ अपशिष्टों के प्रबंधन के अभाव तथा प्रदूषण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ने मृदा अपरदन को विकराल कर दिया है।
③ मानव प्रेरित बाढ़ द्वारा भी मृदा अपरदन की समस्या को पैदा किया है।

भारतीय कृषि पर प्रभाव

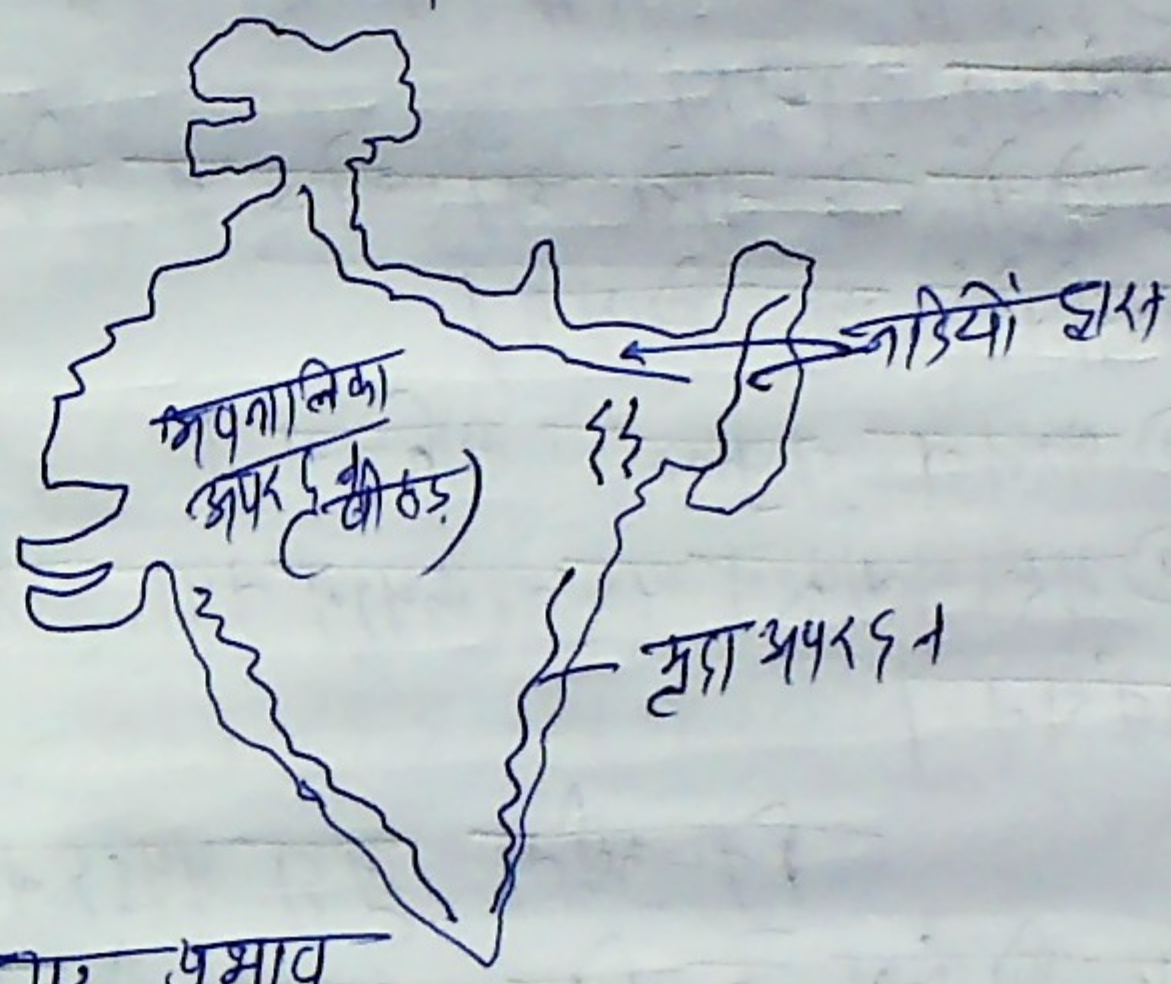

① अपरदन के कारण उत्तरी मैदान का निर्माण जो सकारात्मक प्रभाव है।
② बंजर भूमि का निर्माण तथा उत्पादकता में कमी।
③ रेगिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में विस्तार के कारण राजस्थान में कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ है।
④ विदर्भ के क्षेत्र में सूखा व बागवानी कृषि प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।
⑤ कई परम्परागत सिंचाई स्रोतों, आर्द्रभूमि का अवसादीकरण होने से पर्यावरणीय समस्या।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सुधार

① परम्परागत कृषि व संरक्षण कृषि को बढ़ावा।
② अपशिष्ट प्रबन्धन।
③ वनों को लगाना तथा पशु चारण को नियंत्रित करना।
④ खेतों के चारो ओर पेड़ व सिंचाई की सूक्ष्म पद्धतियों का विकास।
⑤ फसल चक्रण व मल्चिंग।
⑥ मरुस्थलीकरण पर रोकथाम तथा नदीम तट का प्रबंधन।

निष्कर्षतः भूमि अपरदन (रेंगती मृत्यु) पर नियंत्रण के लिए बहुआयामी तथा त्वरित सुधारों की आवश्यकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must n
write on this marg

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उद्योगों की अवस्थिति उत्पादन, मांग, बाजार के साथ-साथ विभिन्न ऐतिहासिक व सरकारी नीतियों के माध्यम से प्रभावित होती है।

कारक

① उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाला सर्वप्रमुख कारक कच्चामाल है। कच्चा माल लौह उद्योग व वस्त्र उद्योग की अवस्थिति को प्रभावित करता है।

② साथ ही बाजार भी प्रमुख कारक है। इसी कारण एल्युमिनियम व सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति निर्धारित होती है।

③ श्रम, पूँजी व अन्य कारक लागतों की उपस्थिति।

④ साथ ही वस्त्र, चीनी जैसे उद्योगों की अवस्थिति को जलवायु भी प्रभावित करती है।

⑤ भारत में सूती, पशुपालन उद्योगों के लिए सरकारी नीतियाँ व परिवर्तन व्यवस्था निर्धारक कारक है। शिकागो में मॉस मण्डी का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विकास सरकारी नीतियों के कारण सम्भव हुआ है।

③ जल की उपस्थिति ऐतिहासिक कारक (वस्त्र उद्योग में) भी व उद्योगों की अवस्थिति के निर्धारक है।

भारत में सूती वस्त्र उद्योग

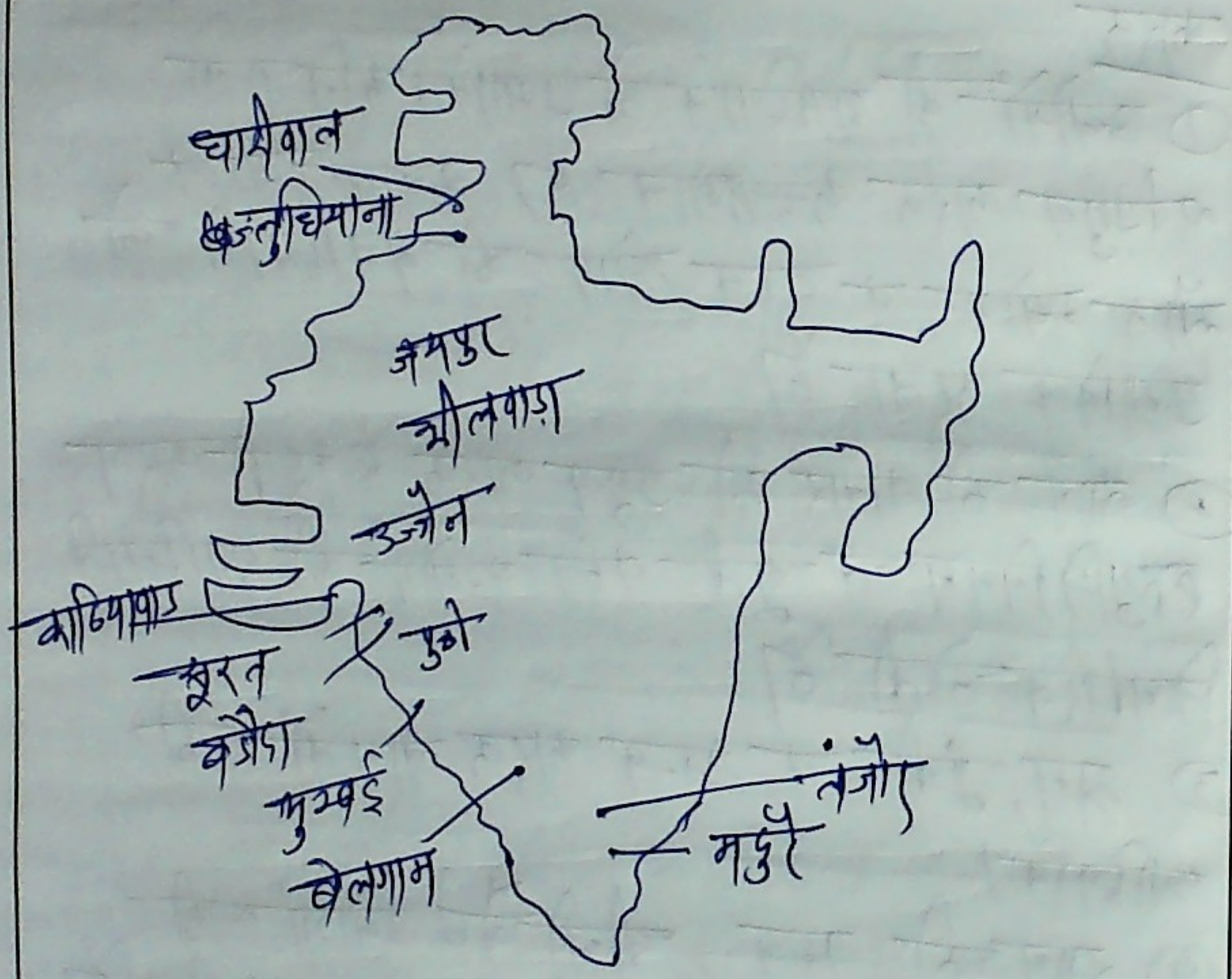

① तटीय क्षेत्रों में नम जलवायु तथा जल की उपस्थिति के कारण गुजरात व महाराष्ट्र में इनका संकेन्द्रण अधिक है।

② कपास क्षेत्र सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्षेत्र है

(3) जलवायु तथा वित्त की उपलब्धता तथा महाराष्ट्र मे सस्ता श्रम भी प्रमुख कारण है

(4) इसका दक्षिणी भारत में विस्तार बाजार व अनुकूल जलवायु, श्रम के कारण हो रहा है।

(5) ऐतिहासिक रूप से भी यह क्षेत्र सूती वस्त्र उत्पादन का प्रमुख केन्द्र रहा था।

(6) सरकारी नीतियों व बाजार ने पश्चिमी भारत में सूती वस्त्र उद्योग को स्थापित स्थान किया है

निष्कर्षतः उद्योगों की अवस्थिति के लिए कई कारक उत्तरदायी होते हैं जो भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के लिए भी उत्तरदायी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

36

drishti | दृष्टि The Vision

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संयुक्त राष्ट्र (~~यूनेस्को~~ यूनिसेफ) की रिपोर्ट व महिला व बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के द्वारा भारत में बाल विवाह की भयावहता को उजागर किया है

बाल विवाह का लगभग 60% भाग बिहार व राजस्थान का योगदान है

बाल विवाह के कारण

(1) आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार गरीबी व बेरोजगारी के कारण बाल विवाह का प्रचलन है

(2) महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के कारण अब बालिकाओं को बोझ समझा जाता है

(3) दहेज के कारण भी बाल विवाह को बढ़ावा मिल रहा है

(4) विभिन्न कानूनों का निर्माण किया गया लेकिन उनका उचित क्रियान्वयन नहीं हुआ

(5) सामाजिक - आर्थिक विषमता, महिला शिक्षा की कमजोर स्थिति व सामंती मानसिकता के कारण बाल विवाह जारी है

(6) अनुसूचित जाति व जनजाति में पिछड़ेपन तथा बाल विवाह के नकारात्मक प्रभावों के प्रति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जागरूकता का अभाव होने के कारण भी बाल विवाह विद्यमान है (स्वास्थ्य मंत्रालय)

प्रभाव

① महिलाओं में एनीमिया (58.4%) तथा स्टंटिंग व बाल व शिशु मृत्यु दर जैसी समस्याएं सामने आती है।

② जनांकिकीय लाभांश का उचित दोहन करने में समस्या।

③ SC/ST वर्ग बाल विवाह के कारण निरंतर पिछड़ रहे है तथा समावेशी विकास व सतत विकास लक्ष्यों (1, 3, 5) की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हो रही है।

④ इस कारण महिला शिक्षा व रोजगार में कमी आती है तथा महिलाएं शोषण के दुष्चक्र में रह जाती है साथ ही स्वास्थ्य पर आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च (60%) तथा जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

उपाय

① सिविल सोसायटी व शिक्षा के माध्यम से बाल विवाह के नकारात्मक प्रभावों के प्रति जानकारी।

② पुलिस व्यवस्था व जनता के सक्रिय सहयोग से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बाल विवाह पर सक्रिय नियंत्रण।

③ 1961 के बाल विवाह रोकथाम कानून तथा 2018 के मानव तस्करी विरोधी कानून का प्रभावी क्रियान्वयन।

④ केन्द्र-राज्य सहयोग के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन।

⑤ महिला शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा व रोजगार को बढ़ावा (निर्भया फंड का प्रयोग)

निष्कर्षतः बाल विवाह पर नियंत्रण के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा में सुधार व सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के माध्यम से लैंगिक सशक्तता को बढ़ावा मिलेगा।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आज भी सीवर मे किसी विशेष वर्ग के लोगों की मृत्यु, डायन प्रथा व अस्पृष्यता की उपस्थिति भारत की सामाजिक प्रगति पर प्रश्न चिन्ह लगाती है।

सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय समाज में अस्पृष्यता वर्तमान मे भी जारी है।

संवैधानिक उपाय ① Art '14 के तहत कानून के समक्ष समानता की तो Art 15 व 16 में अस्पृष्य वर्ग के सशक्तिकरण के प्रयासों को बनाया गया है।

② Art '17 अस्पृष्यता निषेध का प्रावधान करता है।

कानूनी उपाय

① 1955 में नागरिक अधिकार अधिनियम।

② 1989 में अनुसूचित जाति व जनजाति के सशक्तिकरण के लिए प्रावधान किया गया।

③ महाराष्ट्र व कर्नाटक द्वारा अस्पृष्यता के निरोध के लिए कानूनों का निर्माण किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जारी रहने के कारण

① कानूनों का अपर्याप्त क्रियान्वयन।

② वर्ण व्यवस्था व सामंती व्यवस्था तथा लैंगिक विभेद की विचारधारा की उपस्थिति।

③ अस्पृश्य वर्ग सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर है तथा उनमें जागरूकता तथा शिक्षा का अभाव है।

④ कानूनों का निर्माण किया गया लेकिन अभिवृत्ति में परिवर्तन नहीं किया गया।

⑤ विभिन्न विभागों व मंत्रालयों के मध्य-माध्य राज्यों में समन्वय का अभाव तथा दोषपूर्ण आपराधिक न्याय प्रणाली की प्रमुख बाधा है।

चुनौतियाँ

① सबसे पहले से अस्पृश्य वर्ग की पहचान सबसे बड़ी बाधा है तथा इस कारण सामाजिकों की पहचान नहीं हो पाती।

② न्यायिक व पुलिस व्यवस्था में संवेदनशीलता का अभाव है।

③ शिक्षा व्यवस्था भी लैंगिक व वर्गीय आधार पर अस्पृश्यता को बढ़ावा देती है।

④ एक समावेशी नीति का निर्माण व नीतियों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

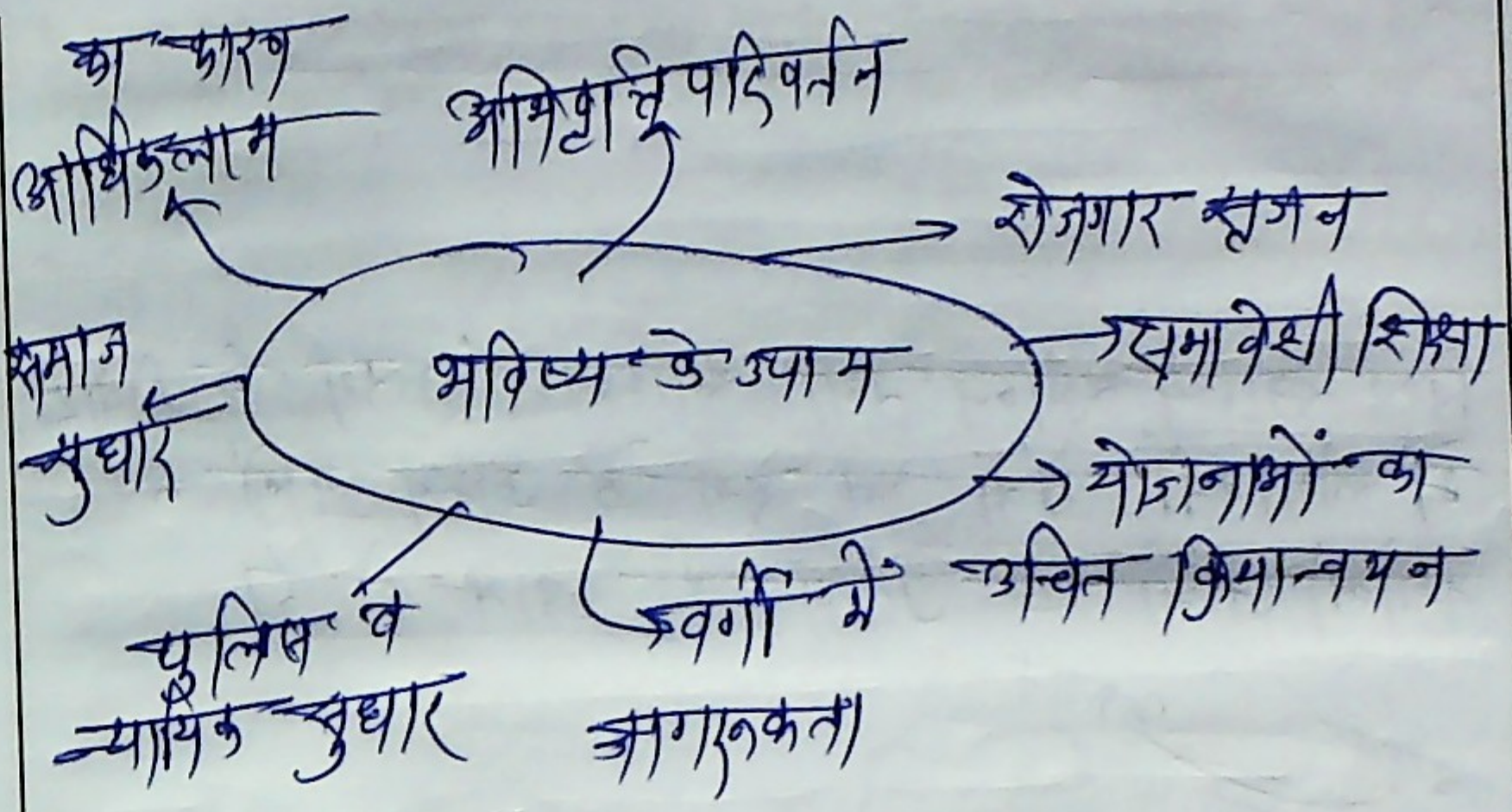

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निष्कर्षतः अस्पृश्यता जैसे मनोवैज्ञानिक विकार के उन्मूलन के लिए समन्वित नीति व वर्तमान कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ साथ सामाजिक सुधारों की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट में सीमावर्ती क्षेत्रों व देश के अन्य भागों में नशीली दवाओं के प्रयोग की बात की है

कारण

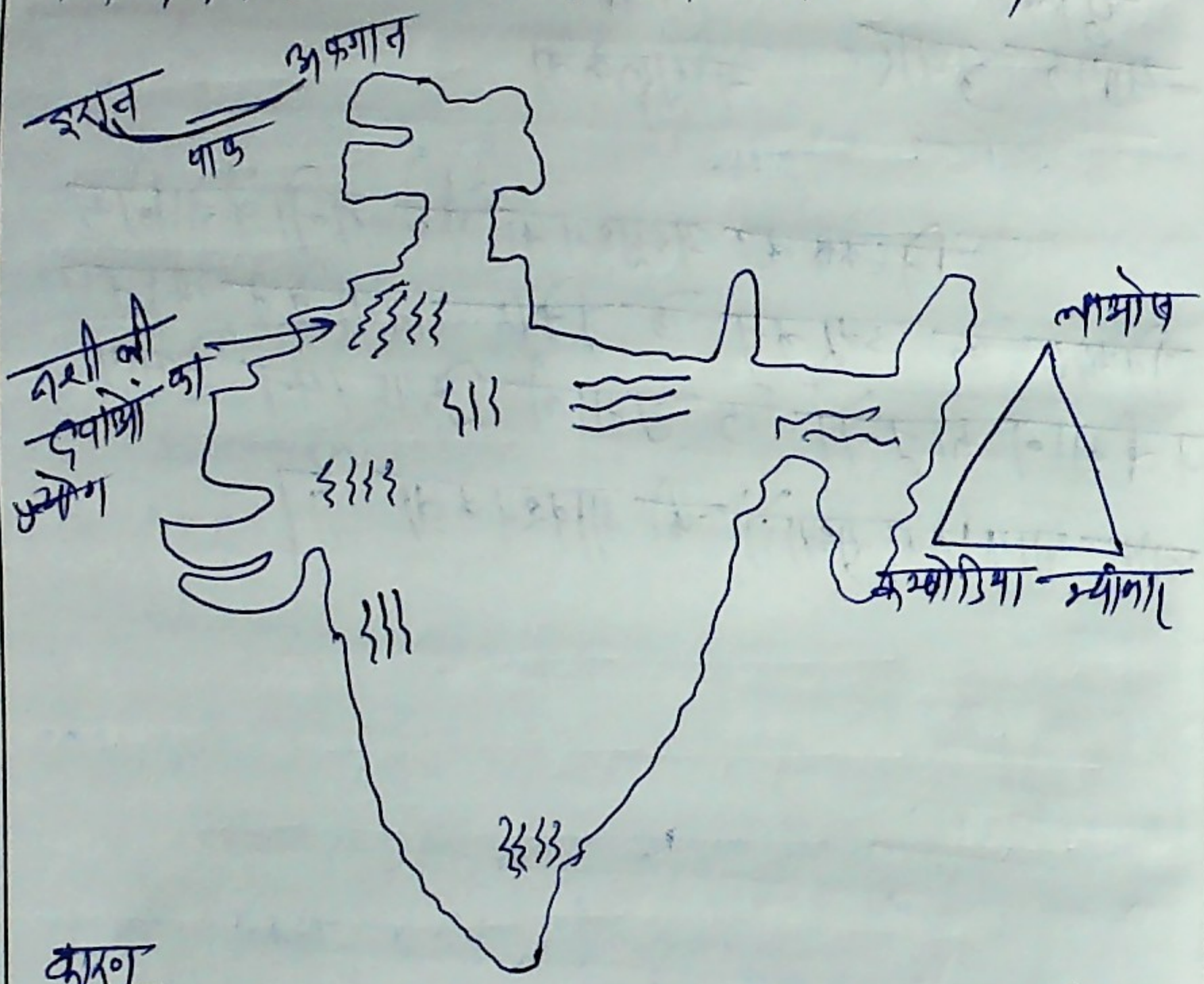

① भारत की भौगोलिक स्थिति व खिड़ित सीमा भारत में इनके दुरुपयोग को बढ़ावा देती है। ② गोल्डन ट्रायंगल व गोल्डन क्रीसेंट की अवस्थिति प्रमुख बाधा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) युवाओं में अवसाद तथा नशीली दवाओं की सुलभ उपलब्धता।

(3) हरियाणा व पश्चिमी राजस्थान में अफीम की खेती।

(4) नशीली दवाओं के सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता का अभाव।

(5) मनप्रभावी व स्वापक औषधि अधिनियम 1985 का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं।

(6) पुलिस की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली व अंतरराज्यीय समन्वय का अभाव।

(7) दोषपूर्ण नगरीकरण तथा मलिन बस्तियों की बढ़ती संख्या।

(8) भारत में चिकित्सा उत्पादों की दुरुपयोग के लिए सहज उपलब्धता भी जिम्मेदार कारक है।

बहुआयामी प्रभाव

(1) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव तथा विभिन्न बीमारियों की उत्पत्ति।

(2) तस्करी व संगठित अपराध के माध्यम से कानून व्यवस्था की समस्या के साथ साथ आतंकवाद को बढ़ावा।

(3) जनांकिकीय लाभांश का उचित उपयोग नहीं तथा अर्थव्यवस्था के संरचनात्मक परिवर्तन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में बाधा।
④ समानांतर अर्थव्यवस्था व कालेधन को बढ़ावा
⑤ सीमा प्रबंधन में बाधा।

उपचारात्मक उपाय

अल्पकालिक
① ड्रग नियंत्रण केंद्रों की स्थापना।
② सीमा पर निगरानी
③ कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन
④ अंतरराज्यीय समन्वय
⑤ चिकित्सा प्रक्रिया पर प्रभावी नियंत्रण

दीर्घकालिक
① सीमा प्रबंधन
② अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
③ शिक्षा व्यवस्था में सुधार व जागरूकता
④ नियंत्रित उत्पादन
⑤ पुलिस समन्वय

निष्कर्षतः दवाओं के दुरुपयोग पर नियंत्रण के लिए बाह्य संबंधों व आंतरिक समन्वय के साथ-साथ वर्तमान योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation